class 11th
sub hindi
date 25/4/20
learn and write in fair
notebook

(iii) **शागिर्दों (कारीगरों) का सम्मान** वे अपने शागिर्दों का सम्मान करते हैं, उन्हें पूरा वेतन देते हैं, उनकाशोषण नहीं करते, इसीलिए वे गर्व के साथ लेखिका को शागिर्दों को दिया जाने वाला वेतन भी ऊँची आवाज़ में ही बताते हैं।

2 तालीम की तालीम ही बड़ी चीज़ होती है—यहाँ लेखिका ने तालीम शब्द का दो बार प्रयोग क्यों किया है? क्या आप दूसरी बार आए तालीम शब्द की जगह कोई अन्य शब्द रख सकते हैं? लिखिए।

उत्तर यहाँ 'तालीम' शब्द का प्रयोग दो बार किया गया है। पहले 'तालीम' का अर्थ है-शिक्षा या प्रशिक्षण। दूसरे 'तालीम' का अर्थ है- पालन करना या आचरण करना। इसका अर्थ यह हुआ कि जो शिक्षा पाई जाए, उसका पालन करना अधिक आवश्यक है। दूसरी बार आए तालीम की जगह हम 'पालन' शब्द भी लिख सकते हैं।

3 मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं, जिन्होंने अपने खानदानी व्यवसाय को अपनाया। वर्तमान समय में प्रायः लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं, ऐसा क्यों?

उत्तर वर्तमान समय में शहरीकरण व तकनीकी विकास के कारण लोगों की पारंपरिक या लघु उद्योगों के प्रति रुचि समाप्त हो रही है और वे इन व्यवसायों को करने की अपेक्षा विदेशी कंपनियों में नौकरी करना ज़्यादा बेहतर समझते हैं। यही कारण है कि लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं।

4 मियाँ कहीं अख़बारनवीस तो नहीं हो? यह तो खोजियों की खुराफ़ात है—अख़बार की भूमिका को देखते हुए इस पर टिप्पणी करें।

उत्तर पत्रकारिता के बारे में मियाँ नसीरुद्दीन का विचार बिलकुल ठीक है कि यह तो खोजियों की खुराफ़ात है। यह वाक्य दो *अर्थों में समझा जा सकता है*

(i) **सकारात्मक** सकारात्मक दृष्टि से आविष्कार एवं नई सूचनाओं के अर्थ में है, जिसे खोजकर पत्रकार लोगों को उससे अवगत करवाते हैं और उससे विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।

(ii) **नकारात्मक** नकारात्मक अर्थ में छोटी-छोटी बातों को तिल का ताड़ बना देते हैं। लोगों में सनसनी और हड़कंप पैदा करने वाली ख़बरों को खोज-खोजकर निकालते हैं, ताकि सामान्य जनता के बीच में उनके अख़बार की लोकप्रियता बढ़े और उन्हें लाभ पहुँचे।

5 पाठ में मियाँ नसीरुद्दीन का शब्दचित्र लेखिका ने कैसे खींचा है?

उत्तर पाठ में मियाँ नसीरुद्दीन का शब्दचित्र लेखिका ने इस प्रकार खींचा है–मौसमों की मार से पका चेहरा, आँखों में काइयाँ भोलापन और पेशानी पर मँजे हुए कारीगर के तेवर।

पाठ के आस-पास

1 *मियाँ नसीरुद्दीन की कौन-सी बातें आपको अच्छी लगीं?*

उत्तर *मियाँ नसीरुद्दीन की कई बातें हमें अच्छी लगीं, जो निम्नलिखित हैं*

(i) **उनका आत्मविश्वास** वे आत्मविश्वास से भरपूर हैं। एक महिला पत्रकार के समक्ष भी सभी प्रश्नों का उत्तर पूरे विश्वास से, ज़ोर देकर और अदा के साथ देते हैं।

(ii) **अपने पेशे से उनका लगाव** वे अपना काम बड़ी रुचि के साथ करते हैं और हुनर सीखने के लिए रुचि को महत्त्व देते हैं। बातें करते हुए भी उनका ध्यान अपने काम पर पूरी तरह लगा रहता है।

5 पकवानों को जानें

पाठ में आए रोटियों के अलग-अलग नामों की सूची बनाएं और इनके बारे में जानकारी प्राप्त करें।

उत्तर छात्र स्वयं करें।